

# Spis rzeczy

|                                                           |    |
|-----------------------------------------------------------|----|
| Przystań nieszczęśliwych .....                            | 5  |
| Surowodojrzałe .....                                      | 6  |
| Morga, I–V .....                                          | 7  |
| Mały aster .....                                          | 7  |
| Piękna młodość .....                                      | 8  |
| Obieg .....                                               | 9  |
| Narieczona Murzyna .....                                  | 10 |
| Requiem .....                                             | 11 |
| Nocna kawiarnia .....                                     | 12 |
| Sala porodowa .....                                       | 13 |
| Kasyno .....                                              | 14 |
| Jesień .....                                              | 16 |
| <i>Przed lanem zboża...</i> .....                         | 17 |
| Śpiewy, 1–2 .....                                         | 18 |
| <i>Och, gdybyśmy naszymi pra-pra-przodkami byli</i> ..... | 18 |
| <i>Pogardy godni są szydercy, kochankowie</i> .....       | 18 |
| Pieśń o małpie .....                                      | 19 |
| Koncert w kurorcie .....                                  | 20 |
| Kolej podziemna .....                                     | 21 |
| Młody Hebbel .....                                        | 22 |
| Madonna .....                                             | 23 |
| Matka .....                                               | 24 |
| Tu nie ma pociechy .....                                  | 25 |
| Kariatyda .....                                           | 26 |
| Podróż .....                                              | 27 |
| Plakat .....                                              | 28 |
| O, nocy – .....                                           | 29 |
| Kokaina .....                                             | 31 |
| Wzdłuż olchowych zarośli... ..                            | 32 |
| Nawrót .....                                              | 34 |
| Brzeg .....                                               | 35 |
| Późny człowiek, 1–3 .....                                 | 36 |
| <i>O spójrz: lewkonia więdnie</i> .....                   | 36 |
| <i>Na początku był potop...</i> .....                     | 36 |
| <i>O duszo, murszejąca pośród snów</i> .....              | 37 |
| Noc. Od nieba do mórz .....                               | 38 |
| Chaos – .....                                             | 40 |
| Ach, ty upływający – (Mgła) .....                         | 42 |
| Dunka, I–II .....                                         | 43 |
| Ciemniej – .....                                          | 47 |
| Dynamika .....                                            | 49 |

|                                            |     |
|--------------------------------------------|-----|
| Szczegóły .....                            | 50  |
| Aż wreszcie .....                          | 51  |
| Wędrownie sagi morza .....                 | 52  |
| Śpiewak .....                              | 54  |
| Anons .....                                | 55  |
| Jena .....                                 | 57  |
| Fürst Krafft .....                         | 58  |
| z dalekich krajów .....                    | 60  |
| Też tobie – .....                          | 62  |
| Orfickie komórki .....                     | 63  |
| Wyspa Wielkanocna .....                    | 65  |
| Regresywnie .....                          | 67  |
| Patrz na gwiazdy, isierki .....            | 68  |
| Oblędny nurt .....                         | 69  |
| „jak długo –” .....                        | 71  |
| O czym-że śpiewasz – .....                 | 73  |
| Miłość .....                               | 75  |
| Stworzenie .....                           | 76  |
| Musisz dać sobie wszystko .....            | 77  |
| Coraz bardziej milczący – .....            | 79  |
| Pierwotne dni .....                        | 80  |
| Nieustające, 1–3 .....                     | 81  |
| Chorał .....                               | 102 |
| Bądź zdrów .....                           | 103 |
| Ona: gdzie chciałbyś żyć... ..             | 104 |
| Lecz trzymać miecze .....                  | 106 |
| Kraj jakiś – .....                         | 107 |
| Przez każdą chwilę – .....                 | 108 |
| Gdzie żadna łza nie spływa .....           | 109 |
| Cierpienie bogów .....                     | 111 |
| Raz jeszcze .....                          | 113 |
| Koncert podwójny .....                     | 114 |
| W późnym wieku – .....                     | 115 |
| Dedykacja .....                            | 116 |
| Zapora –, 1–4 .....                        | 118 |
| <i>Porzucam dawne sprawy</i> .....         | 118 |
| <i>Przed żadną nie klęcz władzę</i> .....  | 119 |
| <i>A kiedy przyjdą chwile</i> .....        | 120 |
| <i>Znalazłeś się na grani</i> .....        | 121 |
| <i>Olimpia</i> –, <i>zstań niżej</i> ..... | 122 |
| Twoje są – .....                           | 123 |
| Całość .....                               | 124 |
| Dzień, który kończy lato .....             | 125 |

|                                                 |     |
|-------------------------------------------------|-----|
| Ach, wzniosłość .....                           | 126 |
| Astry .....                                     | 127 |
| Turyn .....                                     | 128 |
| Szukasz – .....                                 | 129 |
| Kto jest samotny – .....                        | 130 |
| Najbardziej samotnie – .....                    | 131 |
| Przyjaciele .....                               | 132 |
| Czy to nie cięższe .....                        | 133 |
| Rysy twych ludzi .....                          | 134 |
| General .....                                   | 135 |
| Dokąd – .....                                   | 137 |
| <i>Potem się głoski dzieliły</i> .....          | 138 |
| Valse d'automne .....                           | 140 |
| Monolog .....                                   | 142 |
| Henri Matisse: „Asfodele” .....                 | 145 |
| Wiersze .....                                   | 146 |
| Bezużyteczne .....                              | 147 |
| Nosisz .....                                    | 148 |
| Słowo .....                                     | 149 |
| Pożegnanie .....                                | 150 |
| Późne spojrzenie .....                          | 152 |
| Ja zatracone .....                              | 153 |
| Wszystkie te groby .....                        | 155 |
| Ogrody i noce .....                             | 156 |
| Gdy lekkie upojenie .....                       | 158 |
| Potem – .....                                   | 159 |
| Wiersze statyczne .....                         | 160 |
| 1886 .....                                      | 161 |
| Clemenceau .....                                | 165 |
| Wrzesień, I-II .....                            | 167 |
| <i>Ty, nad płotem schylony z floksem</i> .....  | 167 |
| <i>Ty, wpłątany w jarzębiny</i> .....           | 168 |
| Chopin .....                                    | 170 |
| 5. wiek, I-III .....                            | 172 |
| <i>Ów na attyckim ukaże lekycie</i> .....       | 172 |
| <i>Dolina srebrna od drzew oliwkowych</i> ..... | 172 |
| <i>Leuke – Achillesa biała wyspa</i> .....      | 173 |
| Mała słodka twarz .....                         | 174 |
| O daj – .....                                   | 176 |
| Sen (Kiedy to słyszę...) .....                  | 177 |
| Kiedy przegląda się lata – .....                | 179 |
| Róże .....                                      | 181 |
| Latem .....                                     | 182 |

|                                                   |     |
|---------------------------------------------------|-----|
| Śmierć Orfeusza .....                             | 183 |
| Czwartorzęd, I–III .....                          | 186 |
| Światy pijane rauszem .....                       | 186 |
| Pójdź – niech mnożą się cykle .....               | 186 |
| Olbrzymie mózgi się trują .....                   | 187 |
| Leżysz i milczysz... ..                           | 188 |
| – Niejakie wieczory życia, I–II .....             | 189 |
| Nie szoruj ciągle tych kaflí, Hendryko .....      | 189 |
| Kominiek dymi .....                               | 190 |
| Turyń II .....                                    | 192 |
| Berlin .....                                      | 193 |
| Radar .....                                       | 194 |
| Wspomnienia – .....                               | 195 |
| Acheron .....                                     | 196 |
| Epilog 1949, 1–5 .....                            | 197 |
| Fala zbeltana opada .....                         | 197 |
| Rów milczenia szeroki .....                       | 197 |
| Przy fiordzie grób, na złotej bramie krzyż .....  | 198 |
| Jest taki ogród, który widzę czasem .....         | 198 |
| Tych paru rzeczy, które zamknąłeś pieczęcią ..... | 199 |
| Niebieska godzina, I–III .....                    | 200 |
| Wstępuję w ciemnoniebieską godzinę .....          | 200 |
| Twoja głowa niknie, blada... ..                   | 200 |
| Lecz przecież pytam... ..                         | 201 |
| Pomyśl o zrezygnowanych .....                     | 202 |
| Budowa zdania .....                               | 203 |
| Ciemny, I–IV .....                                | 204 |
| Ach, niech mi odda moje smutki dawne .....        | 204 |
| Niech większe będą także samotności .....         | 204 |
| Wspólnota duchów i mędrców sędziwych .....        | 205 |
| Szare są wzgórza i szare są rzeki .....           | 205 |
| Więc jak to jest... ..                            | 207 |
| Moralność artysty .....                           | 208 |
| Podróżowanie .....                                | 209 |
| Restauracja .....                                 | 210 |
| Finis Poloniae .....                              | 211 |
| Spotkania .....                                   | 212 |
| Kraty .....                                       | 214 |
| Nie pojmujesz się – .....                         | 215 |
| Zasłoń się – .....                                | 216 |
| Idealne dalsze życie? .....                       | 217 |
| od siostrzanej Bremy .....                        | 219 |
| Spokojny dzień .....                              | 220 |
| Dom ten w Bremie .....                            | 221 |

|                                                           |     |
|-----------------------------------------------------------|-----|
| Późno, I–VI .....                                         | 222 |
| <i>Stare potężne drzewa</i> .....                         | 222 |
| <i>Tak kończą się spojrzenia, spojrzenia wstecz</i> ..... | 223 |
| <i>Raz jeszcze być takim jak kiedyś</i> .....             | 223 |
| <i>Little old lady</i> .....                              | 224 |
| <i>Czuj – ale wiedz, że tysiąclecia czuły</i> .....       | 226 |
| <i>Nie widzisz tego, w co wierzą niektórzy</i> .....      | 226 |
| Żegnajcie – .....                                         | 227 |
| Marzec. List do Merano .....                              | 228 |
| Niech nikt nie płacze – .....                             | 229 |
| Bolesna godzina .....                                     | 230 |
| Melodie .....                                             | 231 |
| Dalekie pieśni .....                                      | 232 |
| Ów .....                                                  | 233 |
| Młodym .....                                              | 234 |
| Ścieśnienie .....                                         | 235 |
| Co On nakłada na nas .....                                | 236 |
| Rzeczywistość .....                                       | 237 |
| Tylko dwie rzeczy .....                                   | 238 |
| Knajpa, I–IV .....                                        | 239 |
| <i>Podle; wieczorem knajpa</i> .....                      | 239 |
| <i>Są takie rytmy i pieśni</i> .....                      | 240 |
| <i>Przeżywam flaszki głównie</i> .....                    | 240 |
| <i>Nie chcę wspominać o sobie</i> .....                   | 241 |
| Sen (Przystanek i kolej życia...) .....                   | 243 |
| Bar .....                                                 | 244 |
| Już zabierz tę belladonnę .....                           | 246 |
| Do – .....                                                | 247 |
| Co jest marne .....                                       | 248 |
| Broadway śpiewa i tańczy – .....                          | 249 |
| Radio, I–II .....                                         | 251 |
| Ład .....                                                 | 253 |
| Część tu – część tam .....                                | 254 |
| Opuścił dom –, I–III .....                                | 256 |
| <i>Opuścił dom – udręka!...</i> .....                     | 256 |
| <i>Potem coś sobie przeczytał na ławce</i> .....          | 256 |
| <i>To pięknie, pewnie – dla wódki i chwili</i> .....      | 257 |
| Do domu .....                                             | 258 |
| Boksyt .....                                              | 259 |
| To przecież są ludzie .....                               | 261 |
| Jeszcze tylko ulotne wszystko .....                       | 263 |
| Najpierw – potem .....                                    | 265 |
| Słuchaj .....                                             | 266 |
| Melancholia .....                                         | 267 |

|                                          |         |
|------------------------------------------|---------|
| Piękny wieczór .....                     | 270     |
| A ty –? .....                            | 271     |
| Spotykani ludzie .....                   | 272     |
| Dwa sny .....                            | 273     |
| Jarzębiny .....                          | 274     |
| Tristesse .....                          | 275     |
| „Rozliczenie” .....                      | 276     |
| Wasze etiudy .....                       | 277     |
| Melodia .....                            | 278     |
| Impromptu .....                          | 279     |
| Pewnej nocy .....                        | 280     |
| Jezioro .....                            | 281     |
| Słowa .....                              | 282     |
| Chodź – .....                            | 283     |
| Powiedz mi to – .....                    | 284     |
| Après-lude .....                         | 285     |
| Wiersz .....                             | 286     |
| Ostatnia wiosna .....                    | 287     |
| Nike .....                               | 288     |
| Schumann .....                           | 289     |
| Cisza .....                              | 290     |
| Powstrzymaj żale .....                   | 291     |
| <br>Kronika .....                        | <br>293 |
| Nota wydawnicza .....                    | 312     |
| Wykaz tytułów niemieckich .....          | 313     |
| Alfabetyczny spis tytułów polskich ..... | 316     |